2. शब्दार्थ और टिप्पणी

पृष्ठ 59

घमंडी–जिसे घमंड हो, अभिमानी। **सुबह**–प्रातः। **जमघट**–भीड़। **टोली**–दो चार व्यक्तियों का समूह।

पृष्ठ 60

अगुवा–नेता। **तेज़-तर्रार**–बहुत होशियार। **वाकई**–वास्तव में। **शान**–महत्त्व। **काफ़ी**–बहुत। **तारीफ़**–प्रशंसा **धुन सवार होना**–किसी काम को करने में निरंतर लगे रहना। **चबेना**–चबाने के लिए भुने हुए चने आदि **पगडंडी**–कच्ची या हरियाली ज़मीन पर पैदल चलने से बना रास्ता।

पृष्ठ 61

बड़बड़ाना–अपने-आप से बोलना। **तीखा**–तेज़, मन को चुभने वाला। **फिसड्डी**–महत्त्वहीन। **बेहद**–बहुत अधिक। **खुद**–स्वयं। **बेशर्म**–निर्लज्ज, जिसे शर्म न आती हो। **अनंत काल**–सदा के लिए। **टीपना**–नकल लगाकर लिखना। **नकलची**–दूसरों की नकल करने वाला। **घुड़की देना**–धमकाना। **बघारना**–अपनी होशियारी दिखाने के लिए किसी बात की चर्चा करना।

पृष्ठ 62

कोरस–एक साथ मिलकर गाना। **फ़ालतू**–ज़रूरत से अधिक। **बटोरना**–इकट्ठे करना। **मशहूर**–प्रसिद्ध। **कुढ़ना**–ईर्ष्या से जलना। **खलना**–बुरा लगना। **सहसा**–अचानक। **तय कर लिया**–निश्चय कर लिया। **कीमत**–मूल्य। **झाड़ लेना**–जैसे-तैसे ले लेना। **उल्लू बनाना**–मूर्ख बनाना। **चालबाज़ी**–होशियारी, चतुराई। **किस खेत की मूली होना**–विशेष व्यक्ति न होना।

पृष्ठ 63

हेकड़ी–घमंड। **टटोलना**–खोजना, ढूँढ़ना। **चेहरा तमतमाना**–चेहरा लाल होना। **दरवाज़ा भेड़ना**–दरवाजा बंद करना।

पृष्ठ 64

चिंतित होना–चिंता में पड़ना, फिकर में होना। **साँस ऊपर की ऊपर और नीचे की नीचे रहना**–घबरा जाना। **शक**–संदेह। **आग में घी डालना**–गुस्से या चिंता आदि को और बढ़ाना। **साँकल खटकी**–कुंडे की आवाज़ आई। **बुदबुदाना**–कुछ अस्पष्ट कहना। **तलाशी**–किसी खोई हुई चीज़ को ढूँढ़ना। **खुद**–अपना, आप।

पृष्ठ 65

चेहरा उतरा हुआ होना–निराश होना। **यार**–दोस्त/मित्र। **मज़ाक**–हँसी। **बहलाना**–खुश करना। **यकीन**–विश्वास।

पृष्ठ 66

बगैर–बिना। **फूट-फूटकर रोना**–ज़ोर-ज़ोर से रोना।

3. अर्थग्रहण संबंधी एवं बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

नीचे लिखे गद्यांशों को पढ़िए और उनके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1 अब राजप्पा को कोई नहीं पूछता। आजकल सब-के-सब नागराजन को घेरे रहते। 'नागराजन घमंडी हो गया है', राजप्पा सारे लड़कों में कहता फिरता। पर लड़के भला कहाँ उसकी बातों पर ध्यान देते! नागराजन के मामा जी ने सिंगापुर से एक अलबम भिजवाया था। वह लड़कों को दिखाया करता। सुबह पहली घंटी के बजने तक सभी लड़के नागराजन को घेरकर अलबम देखा करते। आधी छुट्टी के वक्त भी उसके आसपास लड़कों का जमघट लगा रहता। कई लोग टोलियों में उसके घर तक हो आए। नागराजन शांतिपूर्वक सभी को अपना अलबम दिखाता, पर किसी को हाथ नहीं लगाने देता। *(पृष्ठ 59)*

प्रश्न–

(क) राजप्पा को अब कोई क्यों नहीं पूछता था?

(ख) राजप्पा नागराजन के बारे में लड़कों से क्या कहता था? उनकी क्या प्रतिक्रिया होती थी?

(ग) नागराजन के आस-पास लड़कों का जमघट क्यों लगा रहता था?

उत्तर–(क) राजप्पा के पास अलबम था। उस अलबम के कारण सभी लड़के उसे घेरे रहते थे, पर अब नागराजन के मामा ने उसे सिंगापुर से एक अलबम भेजा था। इस अलबम के कारण नागराजन को सभी घेरे रहते थे और राजप्पा को कोई नहीं पूछता था।

(ख) राजप्पा लड़कों से कहता था कि नागराजन घमंडी हो गया, पर सारे लड़के उसकी बात पर ध्यान नहीं देते थे। राजप्पा की बातों का लड़कों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता था।

(ग) नागराजन को उसके मामा ने एक अलबम भिजवाया था। सारे लड़के उस अलबम को देखने के लिए नागराजन को घेरे रहते थे।

2 सुबह आठ बजे वह घर से निकल पड़ता। टिकट जमा करने वाले सारे लड़कों के चक्कर लगाता। दो ऑस्ट्रेलिया के टिकटों के बदले एक फिनलैंड का टिकट लेता। दो पाकिस्तान के बदले एक रूस का। बस शाम, जैसे ही घर लौटता, बस्ता कोने में पटककर अम्मा से चबेना लेकर निकर की जेब में भर लेता और खड़े-खड़े काँफ़ी पीकर निकल जाता। चार मील दूर अपने दोस्त के घर से कनाडा का टिकट लेने पगडंडियों में होकर भागता। स्कूल भर में उसका अलबम सबसे बड़ा था। सरपंच के लड़के ने उसके अलबम को पच्चीस रुपए में खरीदना चाहा था,

पर राजप्पा नहीं माना। 'घमंडी कहीं का', राजप्पा बड़बड़ाया था। फिर उसने तीखा जवाब दिया था, "तुम्हारे घर में जो प्यारी बच्ची है न, उसे दे दो न तीस रुपए में।"

(पृष्ठ 60-

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *राजप्पा ने अलबम के लिए टिकटें कैसे एकत्रित कीं?*
   - (क) हर रोज़ डाक घर जाकर।
   - (ख) अपने गाँव के बड़े बुज़ुर्गों से।
   - (ग) उसने बड़ी मुश्किल से टिकटें एकत्रित की। विद्यालय से आते ही खड़े-खड़े कॉफी पीता और दूर-दूर तक ... के घर जाता।
   - (घ) इनमें से कोई नहीं।
2. *सरपंच का लड़का क्या चाहता था?*
   - (क) राजप्पा को मारना।
   - (ख) राजप्पा से अलबम खरीदना।
   - (ग) राजप्पा से दोस्ती करना।
   - (घ) राजप्पा द्वारा नागराजन का अलबम लेना।
3. *सरपंच का लड़का राजप्पा को कितने रुपए देने को तैयार था?*
   - (क) दस रुपए
   - (ख) बीस रुपए
   - (ग) पच्चीस रुपए
   - (घ) पचास रुपए
4. *राजप्पा ने सरपंच के लड़के से क्या कहा?*
   - (क) तुम यहाँ से फौरन भाग जाओ।
   - (ख) तुम अलबम का मूल्य देने की हिम्मत रखते हो।
   - (ग) तुम्हारे घर में जो प्यारी बच्ची है उसे तीस रुपए में दोगे।
   - (घ) खबरदार! जो फिर अलबम माँगने की बात की।
5. *राजप्पा हरदम क्या सोचता रहता?*
   - (क) किसी प्रकार उसका एक सुंदर अलबम बन जाए।
   - (ख) किसी प्रकार वह नागराजन को पछाड़ दे।
   - (ग) किसी प्रकार कुछ ऐसा हो जाए कि सभी बच्चे उसके आगे-पीछे घूमें।
   - (घ) उपर्युक्त सभी।

उत्तर– 1. (ग) 2. (ख) 3. (ग) 4. (ग) 5. (घ)

3 राजप्पा मन-ही-मन कुढ़ रहा था। स्कूल जाना अब खलने लगा था और लड़कों के सामने जाने में ... आने लगी। आमतौर पर शनिवार और रविवार को टिकट की खोज में लगा रहता, परंतु अब घर-घुसा हो ... दिन में कई बार अलबम को पलटता रहता। रात को लेट जाता। सहसा जाने क्या सोचकर उठता, ट्रंक खोलकर अ... निकालता और एक बार पूरा देख जाता। उसे अलबम से चिढ़ होने लगी थी। उसे लगा, अलबम वाकई कूड़ा हो ...

(पृष्ठ ...

प्रश्न–

(क) *राजप्पा की मनोदशा का वर्णन कीजिए।*

(ख) *राजप्पा में यह परिवर्तन क्यों आया था?*

(ग) *राजप्पा को अलबम से चिढ़ क्यों होने लगी थी?*

उत्तर–(क) राजप्पा मन में कुढ़ता रहता था। उसे स्कूल जाना भी अच्छा नहीं लगता था। लड़कों के सामने जाने में उसे शर्म आती थी। वह घर में ही घुसा रहता था।

(ख) राजप्पा ने अपना अलबम बड़ी मेहनत से तैयार किया था। वह अपने अलबम के कारण अपनी ...

बहुत लोक-प्रिय भी था। पर नागराजन के अलबम के कारण अब उसे कोई नहीं पूछता था। राजप्पा में परिवर्तन का यही प्रमुख कारण था।

(ग) राजप्पा ने अलबम को पूरी मेहनत से तैयार किया था। पर अब उसे अलबम कूड़ा लगने लगी थी। उसकी अलबम का महत्त्व नागराजन की अलबम के आ जाने के कारण बिलकुल समाप्त हो गया था। इसलिए उसे अब अपनी अलबम से चिढ़ हो गई थी।

4 घर जाकर सीधा पुस्तक की अलमारी के पास गया और पीछे की ओर अलबम छिपा दिया। उसने बाहर आकर झाँका। पूरा शरीर जैसे जलनें लगा था। गला सूख रहा था और चेहरा तमतमाने लगा था।

रात आठ बजे अपू आया। हाथ-पाँव हिलाकर उसने पूरी बात कह सुनाई।

''सुना तुमने, नागराजन का अलबम खो गया। हम दोनों शहर गए हुए थे। लौटकर देखा तो अलबम गायब!''

(पृष्ठ 63)

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *राजप्पा कहाँ से आ रहा था?*
   (क) नागराजन के घर से उसका अलबम चुराकर (ख) विद्यालय से भाग-भाग कर
   (ग) खेल के मैदान में खेलकर (घ) सिनेमा देखकर
2. *राजप्पा ने नागराजन का अलबम क्यों चुराया?*
   (क) टिकटें चुराने के लिए (ख) अपने अलबम का महत्त्व कायम करने के लिए
   (ग) नागराजन को सताने के लिए (घ) दिए गए सभी
3. *राजप्पा ने अलबम को छिपा क्यों दिया?*
   (क) ताकि आराम से बैठकर उसमें से टिकटें निकाल सके।
   (ख) उसने नागराजन की अलबम चुराई थी वह यह नहीं चाहता था कि किसी को इसके बारे में कुछ पता चले।
   (ग) वह उस अलबम का अस्तित्व मिटाना चाहता था।
   (घ) वह छिप-छिप कर वैसा ही अलबम बनाना चाहता था।
4. *अलबम छिपा देने के बाद राजप्पा की हालत कैसी हो गई?*
   (क) वह एकदम पीला पड़ गया।
   (ख) वह सहमकर चादर ओढ़कर सो गया।
   (ग) उसका शरीर मारे डर के जल रहा था, गला सूख रहा था और चेहरा लाल हो गया था।
   (घ) माँ के डर से वह पत्ते की भाँति काँप रहा था।
5. *अपू कब आया और उसने राजप्पा से क्या कहा?*
   (क) अपू पाँच बजे आया और उसने नागराजन के अलबम खोने की सूचना दी।
   (ख) अपू आठ बजे आया और उसने पुलिस को उसके घर आने की सूचना दी।
   (ग) अपू सात बजे आया और उसने नागराजन के अलबम खोने की सूचना दी।
   (घ) अपू आठ बजे आया और उसने नागराजन के अलबम खोने की सूचना दी।

उत्तर– 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ग) 5. (घ)

5 राजप्पा पिछवाड़े की ओर भागा। जल्दी से बाथरूम में घुसकर दरवाज़ा बंद कर लिया। अम्मा ने अँगीठी पर गरम पानी की देगची चढ़ा रखी थी। उसने अलबम को अँगीठी में डाल दिया। अलबम जलने लगा। कितने प्यारे टिकट थे। राजप्पा की आँखों में आँसू आ गए। *(पृष्ठ 65)*